प्र. 3. भगवती का परिचय लिखें।

Explain the introduction of Bhagvati Agam.

अथवा / OR

भगवती के आधार पर कर्मवेदना और निर्जरा के स्वरूप का वर्णन करें।

Describe the nature of Karma vedana and Nirjara.

प्र. 4. उत्तराध्ययन सूत्र के आधार पर विनय के स्वरूप का वर्णन करें।

Describe the nature of Vinay on the basis of Uttaradhyan Sutra.

अथवा / OR

दशवैकालिक का सारगर्भित परिचय लिखें।

Write detail description of Dasvekalika.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए–

Write short notes on any four of the following-

(i) व्यवहारनय की उपयोगिता बताइये। / Explain the utility of Vyavaharnaya.

(ii) चूलिका / Chulika

(iii) कांक्षा मोहनीय कर्म क्या है? / What is Kanksha Mohaniya Karma?

(iv) अहिंसा / Non-violence

(v) समयसार के आधार पर आत्मा का स्वरूप / Nature of soul on the basis of Samaysara

(vi) माधुकरी वृत्ति / Madhukari Vriti

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2024

M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(FINAL YEAR)

PAPER V - JAIN CANONICAL LITERATURE

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. .....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. आचारांग सूत्र का परिचय देते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालें।

Throw light on the importance of Acaranga Sutra while explaining its introduction.

अथवा / OR

आचारांग के आधार पर आत्मवाद पर निबन्ध लिखें।

Write an essay on Atmavada on the basis of Acaranga Sutra.

प्र. 2. सूत्रकृतांग का परिचयात्मक विश्लेषण करें।

Write a detail description of Sutrakritanga.

अथवा / OR

सूत्रकृतांग में आये प्रमुख वादों में से किन्हीं चार वादों का स्वरूप बताते हुए जैन दृष्टि में उनकी समीक्षा करें। / Explain any four vadas (concepts) of Sutrakritanga and critically analyse these concepts from Jain point of view.

प्र. 3. जैन दर्शन में अनेकान्त सिद्धान्त का महत्त्व लिखिए।
Write the importance of the theory of Nonabsolutism in Jain Philosophy.

अथवा / OR

लोक जीवन में अनेकान्त का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
Explain the importance of the Anekanta in Daily life.

प्र. 4. निक्षेप का स्वरूप लिखिए।
Write the nature of Nikshepa?

अथवा / OR

भाषा व्यवहार में स्याद्वाद की आवश्यकता स्पष्ट कीजिए।
Explain the need of Syadvada in Conversation.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिये –
Write short notes on any four of the following-

(i) व्यवहारनय / Vyavharanaya
(ii) सप्तभंगी / Saptabhangi
(iii) अर्थपर्याय / Arthparyaya
(iv) आचार्य सिद्धसेन / Acharya Siddhasena
(v) सन्मति तर्क प्रकरण / Sanmati Tark Prakaran
(vi) प्रमेय / Prameya

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2024

M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(FINAL YEAR)

PAPER VI - ANEKANTA, NAYA, NIKSHEPA AND SYADAVAD

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. .....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. स्वचतुष्टय से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।
What do you mean by 'Swachatustaya'? Explain it.

अथवा / OR

दैनिक जीवन में नय ज्ञान का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
Explain the importance of Naya in daily life.

प्र. 2. जैन दर्शन में पर्याय का स्वरूप एवं भेद स्पष्ट कीजिए।
Explain the nature of Paryaya and its types in Jain Philosophy.

अथवा / OR

जैन दर्शन में पदार्थ का स्वरूप लिखिए।
Write the nature of Matter in Jain Philosophy.

अथवा / OR

जैन एवं बौद्ध दर्शन के अनुसार अपरिग्रह सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

Explain the theory of Non-possessiveness according to Jain and Baudha Philosophy.

प्र. 3. जैन एवं वेदान्त दर्शन के अनुसार कर्म सिद्धान्त का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

Write a comparative explaination of Karma theory according to Jain and Vedanta Philosophy.

अथवा / OR

जैन व्रतों की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

Explain the Jain vows in detail.

प्र. 4. अनेकान्तवाद एवं शून्यवाद में अन्तर स्पष्ट करें।

Explain the difference between Anekantvad and Shoonyavaad.

अथवा / OR

न्याय की प्रमाण मीमांसा पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Nayaya's Praman-Mimansa.

प्र. 5. जैन दर्शन में ध्यान के भेदों पर प्रकाश डालें।

Throw light on types of Jain Meditation.

अथवा / OR

टिप्पणी लिखें– / Write short note on

(अ) प्रेक्षाध्यान / Preksha Dhyan

(ब) विपश्यना / Vipashyna

(स) सहज योग / Sahaj Yoga

♦♦♦

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2024

M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(FINAL YEAR)

PAPER VII - JAIN RELIGION PHILOSOPHY AND INDIAN RELIGION PHILOSOPHY

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. .....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन एवं वेदान्त के अनुसार सत्त के स्वरूप की व्याख्या करें।

Explain the nature of reality according to Jain and Vedanta Philosophy.

अथवा / OR

टिप्पणी लिखें– / Write shrot note on-

(अ) जैन दर्शन में पुद्गल / Matter in Jain Philosophy

(ब) सांख्य दर्शन में आत्मा / Soul in Sankhya Philosophy

(स) वेदान्त दर्शन में मोक्ष / Salvation in Vedanta Philosophy

प्र. 2. 'अहिंसा परमो धर्म' भारतीय दर्शन के परिपेक्ष्य में सिद्ध करें।

'Non-violence is super religion' prove it in pesspective of Indian Philosophy.

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2024

M. A. IN JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

(FINAL YEAR)

PAPER VIII - JAIN RELIGION PHILOSOPHY AND NON-INDIAN RELIGION PHILOSOPHY

TIME : 3.00 HOURS **ROLL NO. .....** **MM : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. लाइबनीज एवं जैन दर्शन के आत्मा की तुलना कीजिए।

Compare the soul of Leibnitz and Jain Philosophy.

अथवा / OR

काण्ट के नीतिशास्त्र और जैन नीतिशास्त्र पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the ethics of Kant and Jain Philosophy.

प्र. 2. डेकार्ट और स्पिनोजा के आत्मा और शरीर के सम्बन्ध की विवेचना कीजिए।

Explain the mind body relation between Descartes and Spinoza.

अथवा / OR

डेकार्ट और काण्ट के आत्मा की तुलना कीजिए।

Compare the soul of Descartes and Kant.

प्र. 3. काण्ट और जैन दर्शन के कारण–कार्य सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए।

Explain the relation of cause and effect theory according to Kant and Jain Philosophy.

अथवा / OR

प्लाटिनस और बर्कले के अनुसार जगत् की व्याख्या कीजिये।

Explain the world according to Platinus and Berkley.

प्र. 4. ईसाई एवं जैन धर्म में ईश्वर की अवधारणा की तुलना कीजिए।

Compare the concept of God in Christianity and Jain religion.

अथवा / OR

पारसी और जैन धर्म में नीतिशास्त्र की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

Clarify the concept of ethics according to Parasi and Jain religion.

प्र. 5. लोकतन्त्र और अनेकान्त पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Democracy and Non-absolutism.

अथवा / OR

अहिंसा और पर्यावरण के सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the relation of Non-violence and Environment.

♦♦♦